



**जयशंकर प्रसाद की कहानियों में  
प्रेम - तत्व ।**

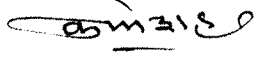


डा. के.पी. राधा,  
अध्या, हिंदी विभाग,  
यशवर्धराव कृष्ण महाविद्यालय,  
कोल्हापुर ।

स्नातकोत्तर अध्यापक एवं शोध निर्देशक,  
शिवाजी विश्वविद्यालय,  
कोल्हापुर । (महाराष्ट्र)

### प्र मा ण प त्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि, प्रा.सी. आशा स्म.मणियार ने शिवाजी विश्वविद्यालय की 'स्म.फिल्. (हिंदी)' उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-ग्रंथ 'जयशंकर प्रसाद की कहानियों में प्रेम-तत्व' के मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिक्रम के साथ पूरा किया है ।  
सौ. मणियार आशा स्म. के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ ।

  
(डा. के.पी. राधा)

कोल्हापुर :

दिनांक : २४-५-८९

## बनु कृ म णि का

### पृष्ठ क्रमांक

प्राक्कथन	..... 1 ---- 5
प्रथम अध्याय - प्रेम का स्वरूप ।	..... 6 --- 40
द्वितीय अध्याय - प्रसाद और हिंदी कहानी ।	..... 41 --- 75
तृतीय अध्याय - हिंदी कहानी में प्रेम ।	..... 76 --- 109
चतुर्थ अध्याय - प्रसाद की कहानियों में प्रेम के विविध रूप	..... 110 --- 142
पंचम अध्याय - प्रसाद का प्रेम विनायक दृष्टिकोण	..... 143 --- 158
उपसंहार	..... 159 --- 171
संदर्भ ग्रंथ सूची	..... 172 --- 173